दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 24.12.2020

प्रकाशनार्थ

सुशासन की भारतीय संकल्पना सर्वेभवन्तु शुखिनः पर आधारित–डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा

दिनांक 24.12.2020 गोरखपुर। **"पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई जी के जन्म दिवस को हमारे देश में सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। अटल जी ने भारत में मूल्य आधारित, विचारनिष्ठ राजनीति की भारतीय परम्परा की स्थापना की। अटल इरादों वाले राज नेता, भारतीय राजनीति के अजातशत्रु, सम्वेदनशील कवि, लेखक, पत्रकार, कुशल प्रसाशक एवं लोकप्रिय नेता के रूप में अटल बिहारी वाजपेई ने भारतीय राजनीति में सूचिता एवं धर्मनिष्ठता के एक नये युग का सुत्रपात किया।"**

उक्त बातें दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा सुशासन दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित परिचर्चा में विभाग की प्रभारी डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा ने कही।

उन्होंने आगे कहा कि सुशासन की परम्परा प्राचीन भारतीय संस्कृति की परम्परा रही है। भारत में कौटिल्य से लेकर हमारे वेदों, उपनिषदों, महाभारत एवं रामचरितमानस, भारतीय संविधान की प्रस्तावना, मूलाधिकार एवं नीतिनिर्देशक तत्व सुशासन की परम्परा के ही प्रमाण है। सुशासन की भारतीय संकल्पना सर्वेभवन्तु शुखिनः पर आधारित रही है। पाश्चात्य सन्दर्भ में सुशासन की आधुनिक अवधारणा विश्व के धनी, संमृद्ध, विकसित एवं पूँजीवादी देशों, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा विश्व बैंक जैसी ब्रेटनबुड्स संस्थाओं द्वारा विकास के नाम पर दुनिया के तथाकथित विकासशील गरीब देशों पर लादी गयी जिसकी ऑड में पूँजीवादी तकतों द्वारा राजनीति को उनके हितों के आधार पर लोक कल्याणकारी नीति बनाने का दबाव डाला जाता रहा है। आज यूरोप और अमेरिका आदि देशों को ही सबसे संमृद्ध और सफल राष्ट्र माना जाता है। इसलिए उन्ही को सुशासन का मानक माना गया है।

कार्यक्रम की शुरुवात पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटलबिहारी वाजपेई के चित्र पर पुष्पान्जलि के साथ की गयी।

उक्त अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेन्ट प्रोफेसर श्री इन्द्रेश पाण्डेय ने कहा कि वर्तमान संदर्भ में सुशासन की आवश्यकता और प्रासंगिकता पर चिन्तन की आवश्यकता है। आज प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार सुशासन की दिशा में एक गम्भीर समस्या बना हुआ है।

विभाग के ही असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. अखील कुमार श्रीवास्तव ने सुशासन में ई–गवर्नेन्श की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे शासन में पारदर्शिता बढ़ी है। आज आवश्यकता है कि जनकल्याणकारी योजनाओं को गारन्टी योजना के साथ जोड़ा जाय।

इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों – धीरज रस्तोगी, सूर्हिता विश्वकर्मा, मनोज गुप्ता, प्रतिभा पाण्डेय, अर्चना तिवारी, रामकेश, कात्यायनी, देवकी मिश्रा, अन्जली, सपना शर्मा तथा खुशबू द्विवेदी ने अपने–अपने विचार प्रस्तुत किये।

कार्यक्रम का संचालन एम.ए. अन्तिम वर्ष (राजनीति विज्ञान) की छात्रा कीर्ति द्विवेदी ने की तथा आभार ज्ञापन असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. शैलेश कुमार सिंह ने की।

उक्त अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न शिक्षक डॉ. मुरली मनोहर तिवारी, डॉ. रविन्द्र गंगवार, डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह तथा विभाग के छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

डॉ. शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी सूचना एवं जनसंपर्क